हिन्दी व्याकरण

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

BY – SCIENCE KA MAHAKUMBH

- दस वर्षों का समूह – दशक
- सौ वर्षों का समूह – शताब्दी
- स्वयं अपने को मार डालना – आत्महत्या
- अपनी ही हत्या करनेवाला – आत्मघाती
- जो दूसरों का बुरा करे – अपकारी
- जो पढ़ा–लिखा न हो – अनपढ़
- जो आयुर्वेद से संबंध रखे – आयुर्वेदिक
- अंडे से पैदा लेनेवाला – अंडज
- दूसरे के मन की बात जाननेवाला – अन्तर्यामी
- दूसरे के अन्दर की गहराई ताड़नेवाला – अन्तर्दर्शी
- जिसका आचरण अच्छा हो – सदाचारी
- जिसका आचरण अच्छा नहीं हो – दुराचारी
- जिसमें दया हो – दयालु
- जिसमें दया नहीं हो – निर्दय
- जो प्रशंसा के योग्य हो – प्रशंसनीय
- जिसमें कपट न हो – निष्कपट

- जिसमें कोई विकार न आता हो – निर्विकार
- समान समय में होनेवाला – समसामयिक
- जो आकाश में विचरण करे – खेचर
- अनेक राष्ट्रों में आपस में होनेवाली बात – अन्तर्राष्ट्रीय
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जिसका वर्णन न हो सके – अवर्णनीय
- जिसके समान अन्य न हो – अनन्य
- जिसके समान दूसरा न हो – अद्वितीय
- ऐसे स्थान पर निवास जहाँ कोई पता न पा सके – अज्ञातवास
- जो न जानता हो – अज्ञ
- जो बूढ़ा (पुराना) न हो – अजर
- जो जातियों के बीच में हो – अन्तर्जातीय
- आशा से कहीं बढ़कर – आशातीत
- अधः (नीचे) लिखा हुआ – अधोलिखित
- कम अक्लवाला – अल्पबुद्धि
- जो क्षय न हो सके – अक्षय
- श्रद्धा से जल पीना – आचमन
- जो वचन से परे हो – वचनातीत
- जो सरों (तालाब) में जन्म ले – सरसिज,
- जो मुकदमा लड़ता हो – मुकदमेबाज
- जो देने योग्य हो – प्रहरी/पहरेदार
- जो पहरा देता है – सत्याग्रह

- सत्य के लिए आग्रह – वादी/मुद्दई
- जो मुकदमा दायर करे – संगीतज्ञ
- जो संगीत जानता हो – कलाविद्
- जो कला जानता हो लौटकर आया हुआ – प्रत्यागत
- जो जन्म से अंधा हो – जन्मान्ध
- जो उचित समय पर न हो – असामयिक
- जो सोचा भी न गया हो – अतर्कित
- जिसका उल्लंघन करना उचित न हो – अनुल्लंघनीय
- जो लौकिक या सांसारिक प्रतीत न हो। – अलौकिक
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जो सँवारा या साफ न किया गया हो – अपरिमार्जित
- आचार्य की पत्नी – आचार्यानी
- जिस पर विश्वास न हो – अविश्वसनीय
- जो साध्य न हो – असाध्य
- जो क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
- जहाँ पहुँचा न जा सके – अगम्य
- धूप से बचने का छाता – आतपत्र
- अनुसंधान की इच्छा – अनुसंधित्सा
- जो विषय विचार में आ जाय – विचारागम्य
- लम्बी भुजाओं वाला – दीर्घबाहु
- जिसका घर्षण कठिनता से हो – दुर्घर्ष
- तरने की इच्छा – तितीर्षा
- जीने की इच्छा – जिजीविषा

- मेघ की तरह गरजनेवाला – मेघनाद
- पीने की इच्छा – पिपासा
- वासुदेव के पिता – वसुदेव
- किसी के शरीर की रक्षा करनेवाला – अंगरक्षक
- किसी को भय से बचाने का वचन देना – अभयदान
- चोट खाया हुआ – आहत
- जिसे पान करने से अमर हो जाय – अमृत
- जिसका अनुभव किया जा सके – अनुभवजन्य
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जिसे सबसे पहले गिनना उचित हो – अग्रगण्य
- जिसका जन्म पहले हुआ हो – अग्रज
- जिसका जन्म बाद/पीछे हुआ हो – अनुज
- जिसकी उपमा न हो – अनुपम
- जिसका मूल्य न हो। – अमूल्य
- जो दूर की न देखे/सोचे – अदूरदर्शी
- जिसका पार न हो – अपार
- जो दिखाई न दे – अदृश्य
- जिसे टाला न जा सके – अनिवार्य
- जिसे काटा न जा सके – अकाट्य
- नकल करने योग्य – अनुकरणीय
- बिना विचार किए विश्वास करना – अंधविश्वास
- साधारण नियम के विरुद्ध बात – अपवाद
- जो मनुष्य के लिए उचित न हो – अमानुषिक

- जो होने से पूर्व किसी बात का अनुमान करे – अनागतविधाता
- जिसकी संख्या सीमित न हो – असंख्य
- इन्द्र की पुरी – अमरावती
- कुबेर की नगरी – अलकापुरी
- दोपहर के बाद का समय – अपराह्न
- पर्वत के ऊपर की समभूमि – अधित्यका
- जो जाँच या परीक्षा बहुत कठिन हो – अग्नि–परीक्षा
- जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास न हो – नास्तिक
- जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास हो – आस्तिक
- जिसका नाथ (सहारा) न हो – अनाथ/यतीम
- जो थोड़ा जानता हो – अल्पज्ञ
- जो अर्थशास्त्र का विद्वान् हो – अर्थशास्त्री
- अनुवाद करनेवाला – अनुवादक
- अनुवाद किया हुआ – अनूदित
- अर्थ या धन से संबंधित – आर्थिक
- जिसकी तुलना न हो – अतुलनीय
- जिसका आदि न हो – अनादि
- जिसका अन्त न हो। – अनन्त
- जो परीक्षा में पास न हो – अनुत्तीर्ण
- जो परीक्षा में पास हो – उत्तीर्ण
- जिसपर मुकदमा हो। – अभियुक्त
- जिसका अपराध सिद्ध हो – अपराधी

- किसी छोटे से प्रसन्न हो उसका उपकार करना – अनुग्रह
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- किसी के दुःख से दुखी होकर उसपर दया करना – अनुकम्पा
- वह हथियार जो फेंककर चलाया जाय – अस्त्र
- मोहजनित प्रेम – आसक्ति
- किसी श्रेष्ठ का मान या स्वागत – अभिनन्दन
- किसी विशेष वस्तु की हार्दिक इच्छा – अभिलाषा
- जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो – अतिथि
- जिसके पार न देखा जा सके – अपारदर्शी
- जो स्त्री सूर्य भी न देख सके – असूर्यम्पश्या
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जो नहीं हो सकता – असंभव
- बढ़ा–चढ़ाकर कहना – अतिशयोक्ति
- जो अल्प बोलनेवाला है – अल्पभाषी
- जो स्त्री अभिनय करे – अभिनेत्री
- जो पुरुष अभिनय करे – अभिनेता
- बिना वेतन के – अवैतनिक
- आलोचना करनेवाला – आलोचक
- सिर से लेकर पैर तक – आपादमस्तक
- बालक से लेकर वृद्ध तक – आबालवृद्ध

- आलोचना के योग्य – आलोच्य
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- न खाने योग्य – अखाद्य
- जो ऋण ले – अधमर्ण
- जिसे भय न हो – निर्भय/अभय
- जो कभी मरे नहीं – अमर
- जिसका शत्रु पैदा नहीं लिया – अजातशत्रु
- जिस पुस्तक में आठ अध्याय हो – अष्टाध्यायी
- जो नई चीज निकाले या खोज करे – आविष्कार
- जो साधा न जा सके – असाध्य
- आदि से अन्त तक – आद्योपान्त
- बिना प्रयास के – अनायास
- दूसरे के गुणों में दोष निकालना – असूया
- मानसिक भाव छिपाना – अवहित्था
- जबरन नरक में धकेलना या बेगार – आजू
- तट का जो भाग जल के भीतर हो – अन्तरीप
- वह गणित जिसमें संख्याओं का प्रयोग हो – अंकगणित
- दागकर छोड़ा गया साँड़ – अंकिल
- आलस्य में अँभाई लेते हुए देह टूटना – अंगड़ाई
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- अंग पोंछने का वस्त्र – अंगोछा
- पीसे हुए चावल की मिठाई – अँदरसा

- ❖जिसके पास कुछ भी नहीं हो – अकिंचन
- ❖जो पासे के खेल में धूर्त हो – अक्षधूर्त
- ❖निंदा न किया हुआ – अगर्हित
- ❖सेना के आगे लड़नेवाला योद्धा – अग्रयोधा
- ❖जिसकी चिकित्सा न हो सके – अचिकित्स्य
- ❖बिना चिन्ता किया हुआ – अचिन्तित
- ❖प्रसूता को दिया जानेवाला भोजन – अछवानी
- ❖जिसका जन्म न हो – अज/अजन्मा
- ❖जो भेदा या तोड़ा न जा सके – अभेद्य
- ❖जिसकी आशा न की गई हो – अप्रत्याशित
- ❖जिसे मापा न जा सके – अपरिमेय
- ❖जो प्रमाण से सिद्ध न हो – अप्रमेय
- ❖आत्मा या अपने आप पर विश्वास – आत्मविश्वास
- ❖दक्षिण दिशा – अवाची
- ❖उत्तर दिशा – उदीची
- ❖पूरब दिशा – प्राची
- ❖पश्चिम दिशा – प्रतीची
- ❖जो व्याकरण द्वारा सिद्ध न हो – अपभ्रंश
- ❖झूठा मुकदमा – अभ्याख्यान
- ❖दो या तीन बार कहना – आमेडित
- ❖माँ–बहन संबंधी गाली – आक्षारणा
- ❖बार–बार बोलना – अनुलाप
- ❖न कहने योग्य वचन – अवाच्य
- ❖नाटक में बड़ी बहन – अत्तिका

Science Ka Mahakumbh

- ❖घर के सबसे ऊपर के खंड की कोठरी – अटारी
- ❖For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- ❖न टूटने वाला – अटूट
- ❖ठहाका लगाकर हँसना – अट्टहास
- ❖अति सूक्ष्म परिमाण – अणिमा
- ❖व्यर्थ प्रलाप करना – अतिकथा
- ❖मर्यादा का उल्लंघन करके किया हुआ – अतिकृत
- ❖जिसका ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा न हो – अतिन्द्रिय
- ❖जो ऊँचा न हो – अतुंग
- ❖शीघ्रता का अभाव – अत्वरा
- ❖आज के दिन से पूर्व का काल – अनद्यतनभूत
- ❖होठों पर चढ़ी पान की लाली – अधरज
- ❖वह व्यक्ति जिसके एक के ऊपर दूसरा दाँत हो – अधिकदन्ती
- ❖रथ पर चढ़ा हुआ योद्धा – अधिरथ
- ❖अध्ययन किया हुआ – अधीत
- ❖उतरती युवावस्था का – अधेर
- ❖हित न चाहनेवाला – अनहितू
- ❖अनुभव प्राप्त – अनुभवी
- ❖प्रेम उत्पन्न करनेवाला – अनुरंजक
- ❖जल से परिपूर्ण – अनूप
- ❖जिसके जल का प्रवाह गुप्त हो – अन्तस्सलिल
- ❖दूध पिलानेवाली धाय – अन्ना

CONTACT WHATSAPP = +91 9708761420, +91 8081695139

- देह का दाहिना भाग – अपसव्य
- बंधक रखा हुआ – आधीकृत
- विपत्ति के समय विधान करने का धर्म – आपद्धर्म
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- तुलना द्वारा प्राप्त – आपेक्षिक
- दर्पण जड़ी अंगूठी, जिसे स्त्रियाँ अँगूठे में पहनती हैं – आरसी
- भारतवर्ष का उत्तरी भाग – आर्यावर्त
- घर के सामने का मंच – आलिन्द
- मंत्र–द्वारा देवता को बुलाना – आवाहन
- उत्कंठा सहित मन का वेग – आवेग
- वृक्षों को जल से थोड़ा सींचना – आसेक
- अनुमान किया हुआ – अनुमानित
- जिसका दूसरा उपाय न हो – अनन्योपाय
- जिसका अनुभव किया गया हो – अनुभूत
- जो जन्म लेते ही मर जाय – आदण्डपात
- जो शोक करने योग्य न हो – अशोच्य
- महल के भीतर का भाग – अन्तःपुर
- अनिश्चित जीविका – आकाशवृत्ति
- जिस पेड़ के पत्ते झड़ गए हों – अपर्ण
- उच्च वर्ण के पुरुष के साथ निम्न वर्ण की स्त्री का विवाह – अनुलोम विवाह
- जिसका पति आया हुआ है – आगत्पतिका

- जिसका पति आनेवाला है – आगमिष्यत्पतिका
- बच्चे को पहले अन्न खिलाना – अन्नप्राशन
- आम का बगीचा – अमराई
- राजा का बगीचा – आक्रीड
- जिसकी आकृति का कोई और न मिले – अप्रतिरूप
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- स्वर्ग की वेश्या – अप्सरा
- शाप दिया हुआ – अभिशप्त
- इन्द्रपुरी की वेश्या – अमरांगना
- पानी भरनेवाला – अम्बुवाह
- लोहे का काम करनेवाला – लोहार
- असम्बद्ध विषय का – अविवक्षित
- आठ पदवाला – अष्टपदी
- तिनकों से बना घर – उटज
- जो छाती के बल चले – उरग
- ऊपर जानेवाला – ऊर्ध्वगामी
- ऊपर गया हुआ – ऊर्ध्वगत
- लाली मिल हुआ काले रंग का – ऊदा
- छाती का घाव – उरक्षत
- अन्य देश का पुरुष – उपही
- आकाश से तारे का टूटना – उपप्लव
- गरमी से उत्पन्न – उष्मज
- स्वप्न में बकझक करना – उचावा

- ❖उभरा या लाँधा हुआ – उत्क्रान्त
- ❖दो दिशाओं के बीच की दिशा – उपदिशा
- ❖अँगुलियों में होनेवाला फोड़ा – इकौता
- ❖त्वचा के ऊपर निकला हुआ मस्सा – इल्ला
- ❖For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- ❖गर्भिणी स्त्री की लालसा – उकौना
- ❖जो बहुत कुछ जानता हो – बहुज्ञ
- ❖नीचे लिखा हुआ – निम्नलिखित
- ❖ऊपर कहा गया। – उपर्युक्त
- ❖बुरी बुद्धिवाला – कुबुद्धि
- ❖चारों ओर चक्कर काटना – परिक्रमा
- ❖जिसका कोई आसरा न हो – निराश्रित
- ❖जिसमें विष न हो – निर्विष
- ❖जिसका धव (पति) मर गया हो – विधवा
- ❖जिसका पति जीवित हो – सधवा
- ❖जो बरतन बेचने का काम करे – कसेरा
- ❖जिसे कर्तव्य न सूझ रहा हो – किं – कर्त्तव्यविमूढ़
- ❖जो तीनों कालों की बात जानता हो – त्रिकालज्ञ
- ❖पन्द्रह दिनों का समूह – पक्ष
- ❖पढ़नेवाला – पाठक
- ❖बाँचनेवाला – वाचक
- ❖जो अपमानित हो चुका हो – अनादृत
- ❖अभिनय करने योग्य – अभिनेय

- उपासना करने योग्य – उपास्य
- ऐसी भूमि जो उपजाऊ नहीं हो – ऊसर
- जो इन्द्रियों के बाहर हो – इन्द्रियातीत
- जो उड़ा जा रहा हो – उड्डीयमान
- नई योजना का सर्वप्रथम काम में लाने का उत्सव – उद्‌घाटन
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- भूमि को भेदकर निकलनेवाला – उद्भिद्
- केवल फल खाकर रहनेवाला – फलाहारी
- जो शाक–सब्जी खाए – शाकाहारी
- शासन हेतु नियमों का समूह – संविधान
- जो चाँदी–जैसा सफेद हो – परुहला
- सोने–जैसे रंगवाला – सुनहला
- जिसके होश ठिकाने न हो – मदहोश
- लेने की इच्छा – लिप्सा
- जी बहुत बातें बनाए – बातूनी
- जो नाप-तौलकर खर्च करे – मितव्ययी
- व्याकरण जानने वाला – वैयाकरण
- सुननेवाला – श्रोता
- बोलनेवाला – वक्ता
- लिखनेवाला – लेखक
- लेख की नकल – प्रतिलिपि
- जो सब देशों का हो – सार्वदेशिक

- जो आँखों के सामने हो – प्रत्यक्ष
- जानने की इच्छा – जिज्ञासा
- जानने को इच्छुक/इच्छावाला – जिज्ञासु
- जिसे प्यास लगी हो – पिपासु/प्यासा
- जो मीठा बोले – मधुरभाषी
- जो देर तक स्मरण के योग्य हो – चिरस्मरणीय
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- समाज से संबंध रखनेवाला – सामाजिक
- जिसे तनिक भी लज्जा न हो – निर्लज्ज
- शिव का उपासक – शैव
- जो बात साफ–साफ करे – स्पष्टवादी
- इतिहास से संबंधित – ऐतिहासिक
- जो कठिनाई से साधा जाय – दुःसाध्य
- जो सुगमता से साधा जाय – सुसाध्य
- जो आसानी से मिल जाय – सुलभ
- जो कठिनाई से मिले – दुर्लभ
- जिसका जवाब न हो – लाजवाब
- जिसका इलाज न हो – लाइलाज
- जो हर काम देर से करे – दीर्घसूत्री
- जो किसी काम की जिम्मेदारी ले – जवाबदेह
- हाथ की लिखी पुस्तक या मसौदा – पांडुलिपि
- विष्णु का उपासक – वैष्णव
- शक्ति का उपासक – शाक्त

- जो तत्त्व सदा रहे – शाश्वत
- जो जिन के मत को माने – जैनी
- जो बुद्ध के मत को माने – बौद्ध
- विनोबा के मत को माननेवाला – सर्वोदयी
- पूर्वी देशों से संबंध रखनेवाला – पूर्वीय
- जो तरह–तरह के रूप बना सके – बहुरूपिया
- कम बोलनेवाला – मितभाषी
- जो किसी की ओर से बोले – प्रवक्ता
- दो बातों या कामों में से एक – वैकल्पिक
- गिरने से कुछ ही बची इमारत – ध्वंसावशेष
- गोद ली संतान – दत्तक
- भूगोल से संबंध रखनेवाला – भौगोलिक
- पृथ्वी से संबंध रखनेवाला – पार्थिव
- साधारण लोगों में कही जानेवाली बात – किंवदंती
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- किसी कलाकार की कलापूर्ण रचना – कलाकृति
- लोगों में परंपरा से चली आई कथा – दन्तकथा
- जिसका नाश अवश्यंभावी हो – नश्वर
- जो पुराणों से संबंध रखता हो – पौराणिक
- जो वेदों से संबंध रखता हो – वैदिक
- जिसका जन्म पसीने से हो – स्वेदज
- वीर पुत्रों को जन्म देनेवाली – वीरप्रसूता
- वीरों द्वारा भोगी जानेवाली – वीरभोग्या

- जिसके गर्भ में रत्न हो – रत्नगर्भा
- जो सबको समान रूप से देखे – समदर्शी
- जो सब जगह व्याप्त हो। – सर्वव्यापक
- जो सम्पूर्ण लोक में हो – सार्वलैकिक
- जिसका उदाहरण दिया गया हो – उदाहृत
- जिसका उद्धरण दिया गया हो – उद्धृत
- जिस स्त्री के सन्तान न होती हो – बाँझ
- शिव के गण – प्रमथ
- शिव के धनुष – पिनाक
- जहाँ शिव का निवास है – कैलाश
- जो रोग एक से दूसरे को हो – संक्रामक
- जो दो बार जन्म ले – द्विज
- पिता से प्राप्त सम्पत्ति आदि – पैतृक
- जो अपनी इच्छा से सेवा करे – स्वयंसेवक
- जेर से उत्पन्न होनेवाला – जरायुज
- विमान चलानेवाला – वैमानिक
- सबके साथ मिलकर गाया जानेवाला गान – सहगान
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जो सब कालों में एक समान हो – सार्वकालिक
- इन्द्र का सारथि – मातलि
- इन्द्र का घोड़ा – उच्चैःश्रवा
- जहाँ नाटक का अभिनय किया जाय – रंगमंच

- जिस सेना में हाथी, घोड़े, रथी और पैदल हों – चतुरंगिणी
- जो काम कठिन हो – दुष्कर
- दिन में होनेवाला – दैनिक
- किए गए उपकार को माननेवाला – कृतज्ञ
- किए गए उपकार को न माननेवाला – कृतघ्न
- जिसका रूप अच्छा हो – सुरूप
- अच्छा बोलनेवाला – वाग्मी/सुवक्ता
- बुरे मार्ग पर चलनेवाला – कुमार्गगामी
- वह पहाड़ जिससे आग निकले – ज्वालामुखी
- जो मोह नहीं करता है – निर्मोही
- जो प्रतिदिन नहाता हो – नित्यस्नायी
- मोक्ष या मुक्ति की इच्छा रखनेवाला – मुमुक्षु
- जो राजा/राज्य से द्रोह करे – राजद्रोही
- किसी का पक्ष लेनेवाला – पक्षपाती
- इतिहास को जाननेवाला – इतिहासज्ञ
- पाप करने के अनन्तर स्वयं दंड पाना – प्रायश्चित
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जिस शब्द के दो अर्थ हों – श्लिष्ट
- अपना नाम स्वयं लिखना – हस्ताक्षर
- जो सबको प्रिय हो – सर्वप्रिय
- जो हमेशा बदलता रहे – परिवर्तनशील
- अपना मतलब साधनेवाला – स्वार्थी

❖कुसंगति के कारण चरित्र पर दोष – कलंक
❖सतो गुण का – सात्त्विक
❖रजो गुण का – राजसिक
❖तमो गुण का – तामसिक
❖नीति को जाननेवाला – नीतिज्ञ
❖महान् व्यक्तियों की मृत्यु – निधन
❖व्यक्तिगत आजादी – स्वतंत्रता
❖सामूहिक आजादी – स्वाधीनता
❖जिसके आर–पार देखा जा सके – पारदर्शी
❖जिसकी गर्दन सुन्दर हो – सुग्रीव
❖अनुचित बातों के लिए आग्रह – दुराग्रह
❖जो नया आया हुआ हो – नवागन्तुक
❖जो नया जन्म हुआ हो – नवजात
❖जो तुरंत जन्मा है – सद्यःजात
❖जो अच्छे कुल में जन्म ले – कुलीन
❖जो बहुत बोले – वाचाल
❖इन्द्रियों को जीतनेवाला – जितेन्द्रिय
❖नींद पर विजय प्राप्त करनेवाला – गुडाकेश
❖जो स्त्री के स्वभाव का हो – स्त्रैण
❖जो क्षमा पाने के लायक हो – क्षम्य
❖जो अत्यन्त कष्ट से निवारित हो – दुर्निवार
❖जो वचन से परे हो – वचनातीत
❖जो सरों (तालाब) में जन्म ले – सरसिज,
❖जो मुकदमा लड़ता हो – मुकदमेबाज

- जो देने योग्य हो – प्रहरी/पहरेदार
- जो पहरा देता है – सत्याग्रह
- सत्य के लिए आग्रह – वादी/मुद्दई
- जो मुकदमा दायर करे – संगीतज्ञ
- जो संगीत जानता हो – कलाविद्
- जो कला जानता हो लौटकर आया हुआ – प्रत्यागत
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जो जन्म से अंधा हो – जन्मान्ध
- कुबेर का पुत्र – नलकूबर
- कुबेर का विमान – पुष्पक
- अगस्त्य की पत्नी – लोपामुद्रा
- अँधेरी रात – तमिस्रा
- सोलहो कलाओं से युक्त चाँद – राका
- जो पोत युद्ध के लिए हो – युद्धपोत
- जो शत्रु की हत्या करे – शत्रुघ्न
- जो पिता की हत्या करे – पितृहंता
- जो माता की हत्या करे – मातृहन्ता
- जो पत्नी की हत्या करे – पत्नीहंता
- गृह बसाकर रहनेवाला – गृहस्थ
- जो विज्ञान जानता है – वैज्ञानिक
- बिना अंकुश का – निरंकुश
- बिक्री करनेवाला – विक्रेता
- हृदय का विदारण करनेवाला – हृदय–विदारक

- **For all pdf search on google - science ka mahakumbh**
- **धन देनेवाला – धनद**
- **प्राण देनेवाली – प्राणदा**
- **यश देनेवाली – यशोदा**
- **ईश्वर या स्वर्ग का खजाँची – कुबेर**
- **मध्य रात्रि का समय – निशीथ**
- **लताओं से आच्छादित रमणीय स्थान – निकुंज**
- **सीपी, बाँसी, सूकरी, करी, धरी और नरसल से बनी माला – बैजयन्तीमाला**
- **मरने के करीब – मुमूर्षु/मरणासन्न**
- **पर्वत के नीचे की समभूमि (तराई) – उपत्यका**
- **जो सुनने योग्य हो – पूजनीय**
- **जो सुनने योग्य हो – श्रव्य**
- **जो तर्क द्वारा सम्मत हो – तर्कसम्मत**
- **जो पढ़ने योग्य हो – पठनीय**
- **जंगल की आग – दावानल**
- **पेट या जठर की आग – जठरानल**
- **समुद्र की आग – वडवानाल**
- **जो राजगद्दी का अधिकारी हो – युवराज**
- **रात और संध्या के बीच की बेला – गोधूलि**
- **पुत्र की वधू – पुत्रवधू**
- **पुत्र का पुत्र – पौत्र**
- **जहाँ खाना (भोजन) मुफ्त मिले – सदाव्रत**

- जहाँ दवा दान स्वरूप मिले – दातव्य औषधालय
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जो व्याख्या करे – व्याख्याता
- जो पांचाल देश की हो – पांचाली
- द्रुपद की पुत्री – द्रौपदी
- जो पुरुष लोहे की तरह बलिष्ठ हो – लौहपुरुष
- युग का निर्माण करनेवाला – युगनिर्माता
- यात्रा करनेवाला – यात्री
- तेजी से चलने वाला – द्रुतगामी
- जिसकी बुद्धि झट सोच ले – प्रत्युत्पन्नमति
- जिसकी बुद्धि कुश के अग्रभाग में समान हो – कुशाग्रबुद्धि
- वह, जिसकी प्रतिज्ञा दृढ़ हो – दृढ़ प्रतिज्ञ
- जिसने चित्त किसी विषय में दिया है – दत्तचित्त
- जिसका तेज निकल गया है – निस्तेज
- जीतने की इच्छा – जिगीषा
- विष्णु की तलवार – नन्दक
- विष्णु का मणि – कौस्तुभ
- विष्णु का धनुष – शांर्ग
- लाभ की इच्छा/पाने की इच्छा – लिप्सा
- खाने की इच्छा – बुभुक्षा
- किसी काम में दूसरे से बढ़ने की इच्छा – स्पर्धा
- जान से मारने की इच्छा – जिघांसा

- देखने की इच्छा – दिदृक्षा
- करने की इच्छा – चिकीर्षा
- छोटी चीज को बड़ी दिखानेवाला यंत्र – खुर्दबीन
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जवाहर बेचने/परखने वाला – जौहरी
- जहाँ से गंगा निकली – गंगोत्री
- जल में रहनेवाली सेना – नौसेना
- जहाँ किताबें छपती हैं – छापाखाना
- जहाँ रुपये ढाले जाते हैं – टकसाल
- जिसकी सृष्टि की गई हो – बड़भागी
- जिसका भाग्य बड़ा हो – परीक्षित
- जिसकी परीक्षा ली जा चुकी हो – विश्वंभर
- जो विश्वभर का भरण–पोषण करे – क्लीव
- जो पुरुषत्वहीन हो जिसकी राह गलत हो – गुमराह
- जो बहुत छोटा न हो – नातिलघु
- जो प्रकाशयुक्त हो – भास्वर
- जिसके अंग–प्रत्यंग गल गए हों – गलितांग
- जिसकी इच्छा न की जाती हो – अनभिलषित
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- जिसके दर्शन प्रिय माने जाएँ – प्रियदर्शन
- कमल के समान गहरा लाल रंग – शोण
- सफेदी लिए हुए लाल रंग – पाटल

- ❖काला पीला मिला रंग – कपिश
- ❖दुःख, भय आदि के कारण उत्पन्न ध्वनि – काकु
- ❖झूठी प्रशंसा करना – श्लाघा
- ❖विष्णु का शंख – पाञ्चजन्य
- ❖विष्णु का चक्र – सुदर्शन
- ❖पृथ्वी को धारण करनेवाला – महीधर
- ❖जो सम नहीं है, उसे सम करना – समीकरण
- ❖जिसे मन पवित्र मानता है – मनःपूत
- ❖विष्णु की गदा – कौमोदकी
- ❖विष्णु का सारथि – दारुक
- ❖विष्णु का छोटा भाई – गद
- ❖शिव की जटाएँ – कपर्द
- ❖इन्द्र का महल – वैजयन्त
- ❖वर्षा सहित तेज हवा – झंझावात
- ❖कुबेर का बगीचा – चैत्ररथ
- ❖अशुभ विचार – व्यापाद
- ❖मनोहर गन्ध – परिमल
- ❖दूर से मन को आकर्षित करनेवाली गंध – निर्हारी
- ❖मुख को सुगंधित करनेवाला पान – मुखवासन
- ❖कच्चे मांस की गंध – विस्र
- ❖नाटक का आदरणीय पात्र – मारिष
- ❖धोखायुक्त बात–चीत – विप्रलम्भ
- ❖पानी से उठा हुआ किनारा – पुलिन
- ❖बालुकामय किनारा – सैकत

- जो किसी विषय को विशेष रूप से जाने – विशेषज्ञ
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- गगन चूमनेवाला – गगनचुंबी
- जो मन को हर ले – मनोहर
- जो सबसे प्रिय हो – प्रियतम
- याचना करनेवाला – याचक
- जो देखने योग्य हो – दर्शनीय
- जो पूछने योग्य हो – प्रष्टव्य
- जो करने योग्य हो – कर्तव्य
- इन्द्र का पुत्र – जयन्त
- इन्द्र का बाग – नन्दन
- इन्द्र का हाथी – ऐरावत
- नाव से पार करने योग्य नदी – नाव्य
- मछली रखने का पात्र – कुवेणी
- मछली मारने का काँटा – वडिश
- अंडों से निकली छोटी मछलियों का समूह – पोताधान
- केंचुए की स्त्री – शिली
- कुएँ की जगत – वीनाह
- तीन प्रहरों वाली रात – त्रियामा
- वृद्धावस्था से घिरा हुआ – जराक्रान्त
- खाली या रिक्त करानेवाला – रिक्तक/रेचक
- सिर पर धारण करने योग्य – शिरोधार्य

- जिसका दमन करना कठिन हो – दुर्दम्य
- जिसको लाँघना कठिन हो – दुर्लंध्य
- जो पापरहित हो – निष्पाप
- सब कुछ खानेवाला – सर्वभक्षी
- जो सहज रूप से न पचे (देर से पचने वाला) – गुरुपाक
- जो दिन में एकबार आहार करे – एकाहारी
- जो अपने से उत्पन्न हुआ हो – स्वयंभू
- जो शत्रु की हत्या करे – शत्रुघ्न
- बहुत–सी भाषाओं को बोलनेवाला – बहुभाषी
- बहुत सी भाषाओं को जाननेवाला – बहुभाषाविद्
- रोंगटे खड़े करनेवाला – लोमहर्षक
- जिसकी पत्नी साथ नहीं हो – विपत्नीक
- ‘जिस समय मुश्किल से भिक्षा भी मिले – दुर्भिक्ष
- हाथ की सफाई – हस्तलाघव
- पके हुए अन्न की भिक्षा – मधुकरी
- For all pdf search on google - science ka mahakumbh
- किसी के पास रखी हुई दूसरे की सम्पत्ति – थाती/न्यास
- केवल वर्षा पर निर्भर – बारानी
- अधिक रोएँ वाला – लोमश
- द्वीप में जनमा – द्वैपायन
- जिसके सिर पर बाल न हो – खल्वाट

- जो प्रायः कहा जाता है – प्रायोवाद
- सोना, चाँदी पर किया गया रंगीन काम – मीनाकारी
- जिसके सभी दाँत झड़ चुके हों – पोपला
- पूर्णिमा की रात – राका
- अमावस्या की रात – कुहू
- पुत्री का पुत्र – दौहित्र/नाती
- इस्लाम पर विश्वास न करनेवाला – काफिर
- ईश्वर द्वारा भेजा गया दूत – पैगम्बर
- जिसपर चित्र बनाया जाय – चित्रपट
- पर्दे में रहनेवाली नारी – पर्दानशीं
- जिसका यौवन क्षत नहीं हुआ – अक्षत यौवन
- जिसे एक ही सन्तान होकर रह जाय – काकबन्ध्या
- जिसे जीवन से विराग हो गया हो – वीतरागी
- स्थिर रहनेवाली वस्तु – स्थावर
- जिसके दोनों ओर जल है – दोआव
- वर्षा के जल से पालित। – देवमातृक
- कलम की कमाई खानेवाला – मसिजीवी
- कुएँ के मेढ़क के समान संकीर्ण बुद्धिवाला – कूपमंडुक
- काला पानी की सजा पाया कैदी – दामुल कैदी
- किसी काम में दखल देना – हस्तक्षेप
- गणपति का उपासक – गाणपत्य
- घास खानेवाला – तृणभोजी
- जहाँ घोड़े बाँधे जाते हैं – घुड़साल

- ❖जिसको पूर्व जन्म की बातें याद हैं – जातिस्मर
- ❖जिसके आधार पर रास्ता आनंदपूर्ण हो – संबल
- ❖अस्तित्वहीन वस्तु का विश्लेषण – काकदन्तपरीक्षण
- ❖बेरों के जंगल में जनमा – बादगयण
- ❖जिसके द्वारा चित्र बनाया जाय – तूलिका
- ❖जिसके नाखून सूप के समान हो – शूर्पणखा
- ❖जिस नारी की बोली कठोर हो – कर्कशा
- ❖जिसका आशय महान् हो – महाशय
- ❖वस्त्रों या पत्तों की रगड़ से उत्पन्न आवाज – मर्मर
- ❖पक्षियों का कलरव – वाशित
- ❖बिना तार की वीणा – कोलंबक

TELEGRAM GROUP LINK 1	CLICK HERE
TELEGRAM GROUP LINK 2	CLICK HERE
INSTAGRAM LINK	CLICK HERE

Science ka Mahakumbh